चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.07.2020	02	01-04

सांख्यिकी केवल डाटा संग्रह नहीं बल्कि नई विधियों और तकनीकों का प्रभावशाली विज्ञानः प्रो. समर सिंह

कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक पर ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स

भास्कर न्यूज| हिसार

सांख्यिकी केवल डाटा संग्रह तक सीमित नहीं है बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। जोकि हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निष्कर्ष निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है।

उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे 21 दिवसीय ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त ने किया था। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान विषयों की सूचनाएं एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यदि समस्याओं को सांख्यिकी आधार पर विवेचन किया जाए तो नीतिगत निर्णय, समाज व किसानों को अधिक सुविधा प्रदान कर सकते हैं। मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने कुलपति का स्वागत किया और प्रतिभागियों से रिफ्रेशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। इस रिफ्रेशर कोर्स में देश के 18 से ज्यादा प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने प्रशिक्षण ग्रहण किया है। कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय कुमार ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

रिफ्रेशर कोर्स में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व प्रतिभागी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	30.07.2020	01	02-04

मौसम अगले तीन दिनों में प्रदेश अच्छी वारिश की वन रही है संभावना

मानूसन सक्रिय होने से उत्तरी हरियाणा में बरसे मेघ

जागरण संवाददाता, हिसार : प्रदेश में मानसून सक्रिय हो गया है। जिसके कारण मंगलवार रात्रि से ही उत्तरी हरियाणा में कुछ स्थानों पर बारिश देखने को मिली। मौसम विज्ञानियों की मानें तो यह सिस्टम अब धीमे-धीमे पूरे हरियाणा में बारिश करेगा। गुरुवार से प्रदेश के दूसरे स्थानों पर भी अगले तीन दिनों में अच्छी बारिश होने की संभावना है। हालांकि बुधवार को प्रदेश के कई क्षेत्रों में गर्मी और आद्रता से लोग परेशान दिखाई दिए। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. मदन खिचड़ ने बताया कि अरब सागर की तरफ से आने वाली नमी भरी हवाओं के कारण राज्य में मौसम परिवर्तनशील है। 29, 30, 31 जुलाई को राज्य के अन्य जिलों में भी बारिश होने की संभावना है।

हिसार धूप से अपने बच्चे को बचाने के लिए दुपट्टे का सहारा लेती महिला। ● जागरण

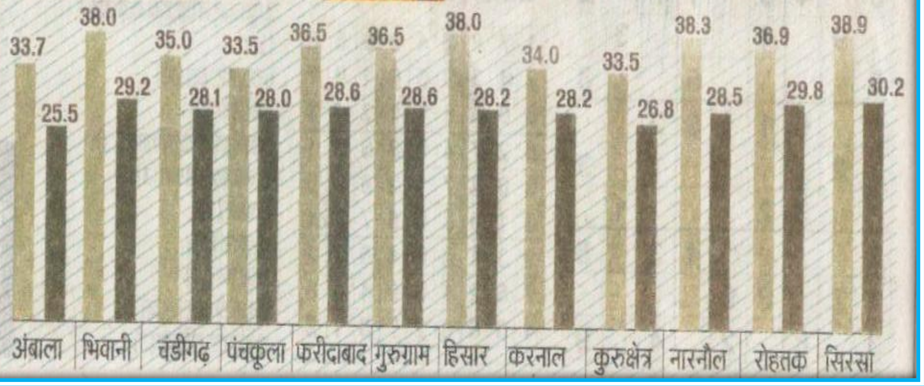

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	30.07.2020	12	04-08

हकृवि में ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन

सांख्यिकी नई विधियों का प्रभावशाली विज्ञान : वीसी

हरिभूमि न्यूज ›› हिसार

सांख्यिकी केवल डाटा संग्रह तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। जो हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निष्कर्ष निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। यह विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कही। वे विश्वविद्यालय में कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक विषय पर चल रहे 21 दिवसीय ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान विषयों की सूचनाएं एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यदि समस्याओं को सांख्यिकी आधार पर विवेचन किया जाए तो नीतिगत निर्णय, समाज व किसानों को अधिक सुविधा प्रदान कर सकते है।

- सांख्यिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान विषयों की सूचनाएं एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है

हिसार। रिफ्रेशर कोर्स में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते हकृवि कुलपति प्रो. समर सिंह व प्रतिभागी।

18 से अधिक प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों ने लिया प्रशिक्षण: मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने कुलपति का स्वागत किया और प्रतिभागियों से इस रिफ्रेशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में देश के 18 से ज्यादा प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने प्रशिक्षण ग्रहण किया है। उन्होंने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स में देश के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय जैसे कि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, एनडीआरआई करनाल, आईएसएआरआई, शेर-ए-कश्मीर, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं अन्य कई संस्थाओं के वरिष्ठ प्रध्यापकों व अधिकारियों ने प्रतिभागियों को व्याख्यान दिए। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक विषय से संबंधित सात मोड्यूल की जानकारी दी गई, जिनमें परिचयात्मक और बुनियादी आंकड़े, बुनियादी सांख्यिकी तकनीक, अग्रिम सांख्यिकीय मॉडलिंग, सांख्यिकीय पैकेज, डिजाइन ऑफ एक्सपरिमेंट्स, सांख्यिकीय जेनेटिक्स व अनुकूलन तकनीक शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30.07.2020	04	03-05

सांख्यिकी नई विधियों व तकनीकों का विज्ञान : प्रो. समर

एचएयू में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकी उपकरण और तकनीक' विषय पर हुआ ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स

प्रो. समर सिंह।

हिसार। सांख्यिकी केवल डाटा संग्रह तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। यह हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निष्कर्ष निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे बुधवार को विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकी उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे 21 दिवसीय ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे।

कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने बताया कि कोर्स में देश के 18 से ज्यादा प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने प्रशिक्षण ग्रहण किया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से सात मोड्यूल की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय कुमार ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	30.07.2020	02	06-08

सांख्यिकी नई विधियों व तकनीकों का प्रभावशाली विज्ञान : कुलपति

■ 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर रिफ्रेशर कोर्स संपन्न

हिसार, 29 जुलाई (ब्यूरो): सांख्यिकी केवल डाटा संग्रह तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। जो हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निष्कर्ष निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफैसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे 21 दिवसीय ऑनलाइन रिफ्रैशर कोर्स के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे।

रिफ्रैशर कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान विषयों की सूचनाएं एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यदि समस्याओं को सांख्यिकी आधार पर विवेचन किया जाए तो नीतिगत निर्णय, समाज व किसानों को अधिक सुविधा प्रदान कर सकते हैं।

रिफ्रैशर कोर्स में शामिल प्रतिभागियों को संबोधित करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह।

18 से अधिक प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्त्ताओं ने लिया प्रशिक्षण

मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कुलपति का स्वागत किया और प्रतिभागियों से इस रिफ्रैशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रैशर कोर्स में देश के 18 से ज्यादा प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्त्ताओं ने प्रशिक्षण ग्रहण किया है। रिफ्रैशर कोर्स में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, एन.डी.आर.आई. करनाल, आई.एस.ए.आर.आई., शेर-ए-कश्मीर, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं अन्य कई संस्थाओं के वरिष्ठ प्रध्यापकों व अधिकारियों ने प्रतिभागियों को व्याख्यान दिए। कार्यक्रम की निदेशक प्रोफैसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफ्रैशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किया गया था। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबंधित सात मॉड्यूल की जानकारी दी गई, जिनमें परिचयात्मक और बुनियादी आंकड़े, बुनियादी सांख्यिकी तकनीक, अग्रिम सांख्यिकीय मॉडलिंग, सांख्यिकीय पैकेज, डिजाइन ऑफ एक्सपैरिमैंट्स, सांख्यिकीय जैनेटिक्स व अनुकूलन तकनीक शामिल थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	29.07.2020	--	--

हकृवि में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स संपन्न

सांख्यिकी नई विधियों व तकनीकों का प्रभावशाली विज्ञान : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार।साख्यिकी केवल डाटा संग्रह तक ही सीमित नही है बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। जो हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निष्कर्ष निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे 21 दिवसीय ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान विषयों की सूचनाएं एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यदि समस्याओं को सांख्यिकी आधार पर विवेचन किया जाये तो नीतिगत निर्णय, समाज व किसानों को अधिक सुविधा प्रदान कर सकते है।

18 से अधिक प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने लिया प्रशिक्षण

मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कुलपति का स्वागत किया और प्रतिभागियों से इस रिफ्रेशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में देश के 18 से ज्यादा प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्त्ताओं ने प्रशिक्षण ग्रहण किया है। उन्होंने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स में देश के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय जैसे कि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, एनडीआरआई करनाल, आईएसएआरआई, शेर-ए-कश्मीर, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं अन्य कई संस्थाओं के वरिष्ठ प्रध्यापकों व अधिकारियों ने प्रतिभागियों को व्याख्यान दिए। कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किया गया था। कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में आयोजित इस तरह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स से प्रतिभागियों में रचनात्मकता व सृजनात्मकता बढ़ेगी और उन्हें सांख्यिकी की विभिन्न आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर की जानकारी मिलेगी। रिफ्रेशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता हासिल कर पाएंगे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबंधित सात मोड्यूल की जानकारी दी गई, जिनमें परिचयात्मक और बुनियादी आंकड़े, बुनियादी सांख्यिकी तकनीक, अग्रिम सांख्यिकीय मॉडलिंग, सांख्यिकीय पैकेज, डिजाइन ऑफ एक्सपरिमेंट्स, सांख्यिकीय जेनेटिक्स व अनुकूलन तकनीक शामिल थे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय कुमार ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.07.2020	--	--

सांख्यिकी नई विधियों व तकनीकों का प्रभावशाली विज्ञान : समर सिंह

हकृवि में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स संपन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। सांख्यिकी केवल डाटा संग्रह तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। जो हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निष्कर्ष निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे 21 दिवसीय ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान विषयों की सूचनाएं एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यदि समस्याओं को सांख्यिकी आधार पर विवेचन किया जाये तो नीतिगत निर्णय, समाज व किसानों को अधिक सुविधा प्रदान कर सकते है।

18 से अधिक प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने लिया प्रशिक्षण

मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कुलपति का स्वागत किया और प्रतिभागियों से इस रिफ्रेशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में देश के 18 से ज्यादा प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने प्रशिक्षण ग्रहण किया है। उन्होंने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स में देश के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय जैसे कि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, एनडीआरआई करनाल, आईएसआरआई, शेर-ए-कश्मीर, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं अन्य कई संस्थाओं के वरिष्ठ प्राध्यापकों व अधिकारियों ने प्रतिभागियों को व्याख्यान दिए। कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किया गया था। कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में आयोजित इस तरह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स से प्रतिभागियों में रचनात्मकता व सृजनात्मकता बढ़ेगी और उन्हें सांख्यिकी की विभिन्न आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर की जानकारी मिलेगी। रिफ्रेशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता हासिल कर पाएंगे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबंधित सात मोड्यूल की जानकारी दी गई, जिनमें परिचयात्मक और बुनियादी आंकड़े, बुनियादी सांख्यिकी तकनीक, अग्रिम सांख्यिकीय मॉडलिंग, सांख्यिकीय पैकेज, डिजाइन ऑफ एक्सपरिमेंट्स, सांख्यिकीय जेनेटिक्स व अनुकूलन तकनीक शामिल थे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय कुमार ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	29.07.2020	--	--

सांख्यिकी तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान : कुलपति

हिसार/29 जुलाई/रिपोर्टर

सांख्यिकी केवल डाटा संग्रह तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। जो हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निष्कर्ष निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे 21 दिवसीय ऑनलाईन रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित करते हुए प्रकट किए। रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान विषयों की सूचनाएं एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यदि समस्याओं को सांख्यिकी आधार पर विवेचन किया जाये तो नीतिगत निर्णय, समाज व किसानों को अधिक सुविधा प्रदान कर सकते है। मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एमएस सिद्धपुरिया ने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में देश के 18 से ज्यादा प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने प्रशिक्षण ग्रहण किया। उन्होंने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, एनडीआरआई करनाल, आईएसएआरआई, शेर-ए-कश्मीर, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं अन्य कई संस्थाओं के वरिष्ठ प्रध्यापकों व अधिकारियों ने प्रतिभागियों को व्याख्यान दिए। कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि इस कोर्स से प्रतिभागियों में रचनात्मकता व सृजनात्मकता बढ़ेगी और उन्हें सांख्यिकी की विभिन्न आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर की जानकारी मिलेगी। रिफ्रेशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता हासिल कर पाएंगे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबंधित सात मोड्यूल की जानकारी दी गई, जिनमें परिचयात्मक और बुनियादी आंकड़े, बुनियादी सांख्यिकी तकनीक, अग्रिम सांख्यिकीय मॉडलिंग, सांख्यिकीय पैकेज, डिजाइन ऑफ एक्सपरिमेंट्स, सांख्यिकीय जेनेटिक्स व अनुकूलन तकनीक शामिल थे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय कुमार ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	29.07.2020	--	--

सांख्यिकी नई विधियों व तकनीकों का प्रभावशाली विज्ञान : कुलपति

हकृवि में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स संपन्न

नित्य शक्ति टाइम्स न्यूज

हिसार। सांख्यिकी केवल डाटा संग्रह तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। जो हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निष्कर्ष निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे 21 दिवसीय ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान विषयों की सूचनाएं एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यदि समस्याओं को सांख्यिकी आधार पर विवेचन किया जाये तो नीतिगत निर्णय, समाज व किसानों को अधिक सुविधा प्रदान कर सकते है।

18 से अधिक प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने लिया प्रशिक्षण

मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कुलपति का स्वागत किया और प्रतिभागियों से इस रिफ्रेशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में देश के 18 से ज्यादा प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्त्ताओं ने प्रशिक्षण ग्रहण किया है।

उन्होंने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स में देश के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय जैसे कि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, एनडीआरआई करनाल, आईएसएआरआई, शेर-ए-कश्मीर, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं अन्य कई संस्थाओं के वरिष्ठ प्रध्यापकों व अधिकारियों ने प्रतिभागियों को व्याख्यान दिए। कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किया गया था। कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में आयोजित इस तरह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स से प्रतिभागियों में रचनात्मकता व सृजनात्मकता बढ़ेगी और उन्हें सांख्यिकी की विभिन्न आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर की जानकारी मिलेगी। रिफ्रेशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता हासिल कर पाएंगे।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबंधित सात मोड्यूल की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय कुमार ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	29.07.2020	--	--

धान की सीधी बिजाई वाले खेत में फसल घनत्व कम है तो घबराएं नहीं किसान : कुलपति

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 29 जुलाई : पहली बार धान की सीधी बिजाई करने वाले किसानों को खेत में फसल घनत्व कम दिखाई दे रहा है तो उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। जल्द ही उनका खेत फसल से भर जाएगा क्योंकि पहली सिंचाई के बाद ही पौधों का ऊपरी भाग तेजी से बढ़ेगा और अगले 20 दिनों में खेत भरा-भरा नजर आएगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को कृषि संबंधी सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार काफी हिस्से में धान की सीधी बिजाई की गई है, जो सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना 'मेरा पानी-मेरी विरासत' को बढ़ावा देने में कारगर साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि धान की सीधी बिजाई वाले खेत में शुरूआती दौर में खेत खाली दिखाई देता है जिससे किसानों के मन में शंका पैदा होती है कि उनकी फसल का घनत्व कम हो गया है और फसल का उत्पादन अच्छा नहीं मिल पाएगा। लेकिन पहली सिंचाई देर से देने पर पौधे पहले जड़ों को बढ़ाते हैं और उसके बाद ही ऊपरी भाग में धीरे-धीरे बढ़ोत्तरी होती है। सिंचाई के अगले 20 दिनों में ही खेत भरा-भरा नजर आने लगेगा। इसके अलावा धान की सीधी बिजाई वाले पौधों की जड़ें मृदा में काफी नीचे तक चली जाती हैं, जो गहराई से भी पानी ले लेती हैं और कई बार समय पर सिंचाई न हो पाने के कारण भी पौधे मरते नहीं। प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि अगर सीधी बिजाई वाली फसल रोपाई वाली फसल से पीली दिखाई दे, तो इसके समाधान के लिए 10 किलोग्राम जिंक सल्फेट(21 प्रतिशत्) या 6.5 किलोग्राम यूरिया की पहली विभाजित दर (33 प्रतिशत्) प्रति एकड़ के हिसाब से खेत में डालें। खाद हमेशा सिंचाई के बाद नमी वाले खेत में ही डालें व यूरिया की पहली किश्त बिजाई के 28 दिन बाद डाल सकते हैं। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि किसान मिट्टी की जांच करवाकर ही फसल में जरूरत अनुसार पोषक तत्व डालने चाहिए ताकि फसल पर कम खर्च हो और उत्पादन् भी अच्छा मिले।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	29.07.2020	--	--

बदलती जलवायु और ग्लोबल वार्मिंग चिंता का विषय : प्रो. समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 29 जुलाई : ग्लोबल वार्मिंग के कारण दिन-प्रतिदिन तापमान बढ़ रहा है जिसके कारण तूफान और समुद्र का स्तर भी बढ़ रहा है। साथ ही मीठे पानी के ग्लेशियर पिघल रहे हैं जिससे पृथ्वी पर जीवन का खतरा मंडरा रहा है, जो बहुत ही चिंतनीय है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' पर व्यक्त किए। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बदलती जलवायु और ग्लोबल वार्मिंग पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे विश्व भर में पारिस्थितिक असंतुलन फैल रहा है। प्राकृतिक संसाधनों जैसे हवा, पानी, जंगल, जंगली जीवन, जीवाश्म ईंधन और खनिज मानव शोषण के कारण प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान और भावी पीढ़ियों की सुरक्षा के लिए स्वस्थ वातावरण बनाना आवश्यक है। इसलिए विश्व भर के लोगों में प्राकृतिक संसाधनों की बचत के महत्व को समझने के साथ-साथ इनके पुन:चक्रण करने, संरक्षित करने और इसे नुकसान पहुंचाने के परिणामों को समझने के लिए जागरूकता बढ़ाना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कृषि अपशिष्ट प्रबंधन हेतु नवाचार केंद्र, दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने आम जन से आह्वान किया कि वे अपनी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन की बजाय उनके संरक्षण को अधिक महत्व दे। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से स्थिति यहां तक पहुंच गई कि पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता महसूस हुई। इसी को लेकर फ्रांस ने 1947 में एक गोष्ठी पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित कर इसकी रूपरेखा बनाने की कोशिश की। 5 अक्तूबर 1948 में फ्रांस ने यूनेस्को के साथ मिलकर इसकी रूपरेखा तैयार की और आई.यू.पी.एन. (इन्टरनेशनल यूनियन फॉर

प्रोटेक्शन ऑफ नेचर) की फान्टेनब्लियू नामक जगह पर स्थापना की। उस समय डॉ. होमी जहांगीर भाभा उस गोष्ठी में शामिल थे। 1956 में इसका नाम बदल कर आई.यू.सी.एन. रखा गया जिसका वैश्विक मुख्यालय ग्लांड (स्विटजरलैंड) में बनाया गया। उन्होंने कहा कि चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के प्रयासों के कारण हरियाणा में वृक्ष आवरण बढ़ रहा है और लोग प्रकृति के संरक्षण के प्रति जागरूक हो रहे हैं। वानिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस. ढिल्लो ने कहा कि वर्तमान में प्रकृति और पर्यावरण की स्थिति बहुत ही चिंताजनक है। यह समस्या केवल किसी एक देश या देशों के समूह तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने पूरे विश्व को प्रभावित किया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरघोष, सिरसा	29.07.2020	--	--

हकृवि ने विद्यार्थियों को कोरोना संकट के प्रति किया जागरूक
शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के दिए टिप्स

हिसार। कोरोना महामारी से निपटने के लिए इसके प्रति लोगों का जागरूक होना बहुत जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल छात्रावासों में छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया की अगुवाई में विदेशी विद्यार्थियों को कोरोना संकट के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया ने विद्यार्थियों से कहा कि नियमित योग, प्राणायाम व अन्य योग क्रियाओं द्वारा शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। इसके अलावा ध्यान द्वारा भी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस कोरोना महामारी से निपटने के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों का पालन किया जाना बहुत जरूरी है। इसके लिए सामाजिक दूरी, मास्क, व सेनेटाइजेशन का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। डॉ. दहिया ने बताया कि इस समय विश्वविद्यालय के दोनों इंटरनेशनल छात्रावासों त्रिवेणी व यमनोत्री में करीब 47 विद्यार्थी रह रहे हैं। कोरोना वायरस और मौसम को ध्यान में रखते हुए एयर कंडीशनर के उपयोग से बचा जाए और अपने कमरों के दरवाजे और खिड़कियां प्राकृतिक हवा के लिए ज्यादातर खुले रखे जाने चाहिएं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का कैंपस अस्पताल 24 घंटे उनकी सेवा के लिए खुला है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि जब भी उन्हें खांसी, गले में खराश, सिरदर्द, बुखार आदि किसी प्रकार के लक्षण दिखाई दें तो तुरंत इसकी जानकारी अस्पताल में दें और इसकी जांच करवाएं। सहायक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने बताया कि लड़कियों के छात्रावास में म्यांमार, नेपाल, भूटान, तंजानिया, फिजी व नाइजीरिया से 19 लड़कियां जबकि लड़कों के छात्रावास में अफगानिस्तान, म्यांमार आदि देशों से 28 विद्यार्थी रह रहे हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित व्यायाम करने व ताजा फल सब्जियों के प्रयोग करने की सलाह दी। इस दौरान छात्र कल्याण निदेशक के साथ सहायक छात्र कल्याण निदेशक (महिला छात्रावास) डॉ. मंजू मेहता, वार्डन डॉ. अनिल वत्स व डॉ. जयंती टोकस भी मौजूद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरघोष, सिरसा	29.07.2020	--	--

सांख्यिकी नई विधियों व तकनीकों का प्रभावशाली विज्ञानः कुलपति

हिसार। सांख्यिकी केवल डाटा संग्रह तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। जो हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निष्कर्ष निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे 21 दिवसीय ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान विषयों की सूचनाएं एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

यदि समस्याओं को सांख्यिकी आधार पर विवेचन किया जाए तो नीतिगत निर्णय, समाज व किसानों को अधिक सुविधा प्रदान कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इस कोर्स में 18 से अधिक प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने लिया।

इससे पूर्व कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने कहा कि इस कोर्स से प्रतिभागियों में रचनात्मकता व सृजनात्मकता बढ़ेगी और उन्हें सांख्यिकी की विभिन्न आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर की जानकारी मिलेगी। रिफ्रेशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता हासिल कर पाएंगे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय कुमार ने अंत में सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरघोष, सिरसा	29.07.2020	--	--

धान की सीधी बिजाई वाली फसल में दिक्कतों का बताया समाधान

हिसार। पहली बार धान की सीधी बिजाई करने वाले किसानों को खेत में फसल घनत्व कम दिखाई दे रहा है तो उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। जल्द ही उनका खेत फसल से भर जाएगा क्योंकि पहली सिंचाई के बाद ही पौधों का ऊपरी भाग तेजी से बढ़ेगा और अगले 20 दिनों में खेत भरा-भरा नजर आएगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को कृषि संबंधी सलाह देते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पहली बार काफी हिस्से में धान की सीधी बिजाई की गई है, जो सरकार द्वारा चलाई जा रही योजना 'मेरा पानी-मेरी विरासत' को बढ़ावा देने में कारगर साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि धान की सीधी बिजाई वाले खेत में शुरूआती दौर में खेत खाली दिखाई देता है जिससे किसानों के मन में शंका पैदा होती है कि उनकी फसल का घनत्व कम हो गया है और फसल का उत्पादन अच्छा नहीं मिल पाएगा लेकिन पहली सिंचाई देर से देने पर पौधे पहले जड़ों को बढ़ाते हैं और उसके बाद ही ऊपरी भाग में धीरे-धीरे बढ़ोत्तरी होती है। सिंचाई के अगले 20 दिनों में ही खेत भरा-भरा नजर आने लगेगा। उन्होंने कहा कि धान की सीधी बिजाई वाले पौधों की जड़ें मृदा में काफी नीचे तक चली जाती हैं, जो गहराई से भी पानी ले लेती हैं और कई बार समय पर सिंचाई न हो पाने के कारण भी पौधे मरते नहीं। प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों को सलाह देते हुए कहा कि अगर सीधी बिजाई वाली फसल रोपाई वाली फसल से पीली दिखाई दे, तो इसके समाधान के लिए 10 किलोग्राम जिंक सल्फेट या 6.5 किलोग्राम यूरिया की पहली विभाजित दर प्रति एकड़ के हिसाब से खेत में डालें। हकृवि के सस्य विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. सतबीर सिंह पूनिया ने कहा कि अगर फसल के नए पत्ते पीले पड़ रहे हों तो एक किलोग्राम फेरस सल्फेट का 100 लीटर पानी में घोल बनाकर खेत में डालें, अगर फिर भी समस्या का समाधान न हो तो पौधे को जड़ से उखाड़कर फेंक दें या नष्ट कर दें। उन्होंने कहा कि अगर फसल की बिजाई के समय खेत में अच्छी नमी हो तो पहली सिंचाई को काफी दिनों बाद दिया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरघोष, सिरसा	29.07.2020	--	--

विश्वभर में फैल रहा पारिस्थितिक असंतुलन चिंतनीय: प्रो. समर सिंह

हिसार। ग्लोबल वार्मिंग के कारण दिन-प्रतिदिन तापमान बढ़ रहा है जिसके कारण तूफान और समुद्र का स्तर भी बढ़ रहा है। साथ ही मीठे पानी के ग्लेशियर पिघल रहे हैं जिससे पृथ्वी पर जीवन का खतरा मंडरा रहा है, जो बहुत ही चिंतनीय है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' पर व्यक्त किए। उन्होंने बदलती जलवायु और ग्लोबल वार्मिंग पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे विश्व भर में पारिस्थितिक असंतुलन फैल रहा है। प्राकृतिक संसाधनों जैसे हवा, पानी, जंगल, जंगली जीवन, जीवाश्म ईंधन और खनिज मानव शोषण के कारण प्रभावित हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान और भावी पीढ़ियों की सुरक्षा के लिए स्वस्थ वातावरण बनाना आवश्यक है। इसलिए विश्वभर के लोगों में प्राकृतिक संसाधनों की बचत के महत्व को समझने के साथ-साथ इनके पुनःचक्रण करने, संरक्षित करने और इसे नुकसान पहुंचाने के परिणामों को समझने के लिए जागरूकता बढ़ाना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कृषि अपशिष्ट प्रबंधन के लिए नवाचार केंद्र, दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे अपनी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन की बजाय उनके संरक्षण को अधिक महत्व दें। विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से स्थिति यहां तक पहुंच गई कि पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता महसूस हुई। इसी को लेकर फ्रांस ने 1947 में एक गोष्ठी पर्यावरण संरक्षण पर आयोजित कर इसकी रूपरेखा बनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के प्रयासों के कारण हरियाणा में वृक्ष आवरण बढ़ रहा है और लोग प्रकृति के संरक्षण के प्रति जागरूक हो रहे हैं। वानिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस. ढिल्लों ने कहा कि वर्तमान में प्रकृति और पर्यावरण की स्थिति बहुत ही चिंताजनक है।

यह समस्या केवल किसी एक देश या देशों के समूह तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसने पूरे विश्व को प्रभावित किया है। प्राकृतिक दुनिया व विश्व को अनिश्चित प्रथाओं से बढ़ते खतरे का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए सतत विकास को प्राप्त करने के लिए प्रकृति को संरक्षित करना बहुत जरूरी है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाइन (यूनिक हरियाणा)	29.07.2020	--	--

सांख्यिकी नई विधियों व तकनीकों का प्रभावशाली विज्ञान : कुलपति प्रोफेसर समर सिंह

July 29, 2020 • Rakesh • Hisar Local News

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स संपन्न

हिसार : 29 जुलाई

सांख्यिकी केवल डाटा संग्रह तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह नई विधियों और तकनीकों का एक प्रभावशाली विज्ञान है। जो हमारे सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक क्षेत्रों में व्यवस्थित निष्कर्ष निकालने के लिए प्रभावशाली तरीके से प्रयोग की जा रही है। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय पर चल रहे 21 दिवसीय ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को ऑनलाइन संबोधित कर रहे थे। रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन मानव संसाधन निदेशालय व गणित एवं सांख्यिकी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। उन्होंने कहा कि सांख्यिकी विश्वविद्यालय के अनुसंधान विषयों की सूचनाएं एकत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। यदि समस्याओं को सांख्यिकी आधार पर विवेचन किया जाये तो नीतिगत निर्णय, समाज व किसानों को अधिक सुविधा प्रदान कर सकते है।

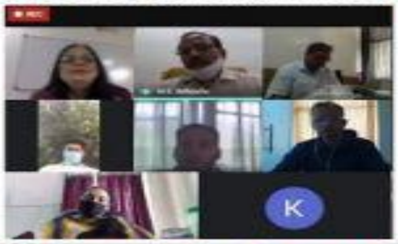

18 से अधिक प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्ताओं ने लिया प्रशिक्षण

मानव संसाधन निदेशालय के निदेशक डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया ने कुलपति का स्वागत किया और प्रतिभागियों से इस रिफ्रेशर कोर्स का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है। उन्होंने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में देश के 18 से ज्यादा प्रदेशों के 165 वैज्ञानिकों व शोधकर्त्ताओं ने प्रशिक्षण ग्रहण किया है। उन्होंने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स में देश के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय जैसे कि बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, एनडीआरआई करनाल, आईएसएआरआई, शेर-ए-कश्मीर, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं अन्य कई संस्थाओं के वरिष्ठ प्रध्यापकों व अधिकारियों ने प्रतिभागियों को व्याख्यान दिए। कार्यक्रम की निदेशक प्रोफेसर मंजू सिंह टांक ने बताया कि रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किया गया था। कुलपति महोदय के मार्गदर्शन में आयोजित इस तरह के ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स से प्रतिभागियों में रचनात्मकता व सृजनात्मकता बढ़ेगी और उन्हें सांख्यिकी की विभिन्न आधुनिक तकनीकों व सॉफ्टवेयर की जानकारी मिलेगी। रिफ्रेशर कोर्स के बाद प्रतिभागी शोध के आंकड़ों के विश्लेषण में निपुणता हासिल कर पाएंगे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की संयुक्त निदेशक व कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मंजू मेहता ने बताया कि इस रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से 'कृषि आंकड़ों के विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक' विषय से संबंधित सात मोड्यूल की जानकारी दी गई, जिनमें परिचयात्मक और बुनियादी आंकड़े, बुनियादी सांख्यिकी तकनीक, अग्रिम सांख्यिकीय मॉडलिंग, सांख्यिकीय पैकेज, डिजाइन ऑफ एक्सपरिमेंट्स, सांख्यिकीय जेनेटिक्स व अनुकूलन तकनीक शामिल थे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विनय कुमार ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।